मिलियन हेक्टेयर कृषि-भूमि में से केवल 46 मिलियन हैक्टेयर भूमि की सिंचाई हो रही है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि शेष 96 मिलियन हैक्टेयर भूमि वर्षा के जल पर निर्भर करती है;

(घ) यदि हां, तो इसमें से अत्यधिक वर्षा, सामान्य वर्षा और कम वर्षा वाली भूमि का क्षेत्र कितना-कितना होने का अनुमान है;

(ङ) क्या यह भी सच है कि इस समय कई सिंचाई परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं; और

(च) यदि हां, तो उनकी कुल संख्या कितनी है और उन्हें कब तक पूरा करने का लक्ष्य है और देश की सिंचाई क्षमता कितनी हो जाने का अनुमान है?

जल संसाधन मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र) (क) से (ग) कृषि एवं सहकारिता मंत्रालय द्वारा 1992-93 (अद्यतन) तक प्रकाशित किए गए भूमि उपयोग आंकड़ों के अनुसार, देश में कुल कृष्य भूमि निबल बुआई क्षेत्र) और निबल सिंचित क्षेत्र का अनुमान अनन्तिम रूप से क्रमशः 142.51 मिलियन हैक्टेयर और 50.10 मिलियन हैक्टेयर है। 1992-93 के अकलन के अनुसार कृषि के लिए शेष 92.41 मिलियन हैक्टेयर भूमि वर्षा जल पर निर्भर करती है।

(घ) वर्षापात वाले आकलित क्षेत्र निम्नलिखित हैः-

वर्ष	औसत वर्षापात (मिली मीटर में)	कुल भौगोलिक क्षेत्र के वर्षापात क्षेत्र का प्रतिशत
अपर्याप्त	750 के कम	22
सामान्य	750 और 1500 के बीच	63
अत्यधिक	1500 से अधिक	15

(ङ) और (च) इस समय 172 बृहद, 276 मध्यम और 119 विस्तार/नवीकरण/आधुनिकीकरण सिंचाई परियोजनाओं का कार्यान्वयन हो रहा है।

आठवीं योजना अवधि के दौरान उपलब्ध निधियों से लगभग 38 बृहद, 100 मध्यम और 45 विस्तार/नवीकरण/आधुनिकीकरण सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने की संभावना है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से 96.89 मिलियन हैक्टेयर के कुल सिंचाई क्षमता के सृजन का लक्ष्य है।

Revival of sick textile mills in Gujarat

*107. SHRIMATI ANANDIBEN JETHABHAI PATEL: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) the number of textile mills declared sick in Gujarat;

(b) whether the Union Government have received proposal for restructuring these mills;

(c) whether any assistance under the National Renewal Fund has been provided to the State Government or the Gujarat State Textile Corporation in this regard;

(d) if so, the details of assistance provided during the last three years; and

(e) the decision on closing the uneconomic mills on the recommendations of the BIFR?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI R.L. JALAPPA): (a) 62 textile mills in Gujarat were registered with the BIFR as sick as on 31.5.1996.

(b) to (d) State Government of Gujarat have submitted to the Department of Industrial Development a proposal for assistance from the National Renewal Fund for restructuring and rehabilitation of 11 mills of the Gujarat State Textile Corporation. Department of Industrial Development will take up the proposal after operational modalities for grant of assistance from National Renewal Fund have been finalised.

(e) BIFR has, after detailed examination, recommended to the Gujarat High Court the winding up of 26 mills.

Leakage of security papers to the ISI

*108. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: SHRI GHUFRAN AZAM:

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that important papers relating to military exercises in the Western Sector were leaked out to the